Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding Mid-Day Meal Scheme

श्री गिरीश चन्द्र (नगीना): मिड डे मील योजना में पूरे देश में माध्यमिक और लघु माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों को दोपहर का भोजन दिया जाता है इस योजना में केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर 75:25 के अनुपात में व्यवस्था करती है। सरकारी स्कूलों में अधिकांश बच्चे गरीब परिवार से आते हैं, जो सुख सुविधाओं से वंचित होते हैं। पौष्टिक आहार देने से कुपोषण को काफी हद तक रोका जा सकता है। मिड डे मील भोजन को पकाने के लिए रसोईयों की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए और वह उच्च स्तर पर प्रशिक्षित भी होना चाहिए। यह योजना केवल बच्चों को उनका पेट भरने के मकसद तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए। यह एक ऐसा आहार होना चाहिए जिसमें बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास हो। मिड डे मील में सबसे विशेष बात है कि बच्चों को पौष्टिक आहार देना जो आज तक नहीं हो पाया। सरकार से मेरी मांग है कि मिड डे मील योजना के तहत बच्चों को भोजन के साथ-साथ दूध अंडे फल, ड्राई फूट्स आदि को भी शामिल किया जाना चाहिए इससे बच्चों का शारीरिक और मानसिक दोनों विकास होगा।